(d) whether it is a fact that the companies are over invoicing in imports of Dexamethasone;

(e) what steps have been taken to get the matter investigated;

(f) whether his Ministry fixed the prices of Cortina, Dexona, Pyrimon and Sofradox under DPCO, 1987; and

(g) if so, when and what price was fixed along with earlier fixed price under DPCO, 1979 and the price at which each drug is being sold on 31st March, 1987?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): (a) to (c) Details of formulations exclusively based on imported Dexamethasone are not readily available. Prices of Dexamethasone formulations recently fixed under DPCO-1987 are based on the notified price of the bulk drug Dexamethasone under DPCO, 1987.

(d) and (e) This Ministry is not aware of such reports if any.

(f) and (g) The lequired details in respect of Dexona formulation to the extent available are given in reply to Rajya Sabha Unstarred Question 151 for 24th April, 1989. Other details are not readily available.

Petrochemical project at Visakhapatnam

91. SHRI B. SATYANARAYAN REDDY: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 487 given in the Rajya Sabha on the 1st August, 1988 and state:

(a) what is the present State of implementation of the petrochemical project at Visakhapatnam; and

(b) whethar the Chief Minister of Andhra Pradesh Shri N. T. Rama Rao has also requested to expedite the decision about the Vizag Petrochemicals and if so, what action has been taken by the Central government?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO) : (a) and (b) Chief Minister of Andhra Pradesh had requested for expediting the decision about the Vizag petrochemical project. Decision on such proposals is taken based on techno economic considerations.

गुजरात द्वारा ऊर्जा की वार्षिक खपत

92. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात तथा अन्य राज्यों की ऊर्जा की वार्षिक खपत कितनी है तथा उनके यहां ऊर्जा-उत्पादन के संसाधन कौन-कौन से हैं और उनकी क्षमता कितनी-कितनी है और वे राज्य इस संबंध में कब तक आत्म-निर्भर हो जायेंगे ;

(ख) गुजरात तथा अन्य राज्यों में गैस पर आधारित विद्युत केन्द्र कब तक स्थापित कर दिये जायेंगे और वे कहां कहां स्थित होंगे तथा उनकी संख्या कितनी-कितनी होगी ; और

(ग) गुजरात विद्युत बोर्ड द्वारा पीपावाव-हाजरा परियोजना के लिये की गयी मांगों का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में निर्णय कब तक ले लिया जायेगा ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) (क) वर्ष 1989-90 के दौरान क्षेत्रवार और संसाधनवार विद्युत ऊर्जा का लक्ष्य एवं क्षमता अनुबंध । में दी गई है (देखिए परिशिष्ट 150 अनुबंध संख्या 3) 8वीं योजना में संसाधन की कमी के कारण काफी कमी बने रहने की संभावना है ।

(ख) 7वीं योजना में जिन गैस आधारित विद्युत केन्द्रों के चालू कि

जाने की संभावना है उनका ब्यौरा विवरण दिया गया है । (नीचे देखिये) ।

(ग) दक्षिणी सौराष्ट्र के पीपवाव नामक स्थान पर 7^0 मे.वा. की संयुक्त साइकिल गैस आधारित विद्युत संयंत्र लगाने संबंधी एक प्रस्ताव गुजरात बिजली बोर्ड से प्राप्त हुआ है । रा०ता०वि०नि० को व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने की सलाह दी गई है । गैस की उपलब्धता एवं बिजली की मांगों को ध्यान में रखते हुये इस प्रस्ताव पर आगे विचार किया जा सकता है ।

विवरण

सातवीं योजना में स्थापित किये जाने वाले गैस आधारित संयंत्र

रा.ता.वि. निगम परियोजनायें

(i) अंटा संयुक्त साइकल गैस आधारित विद्युत परियोजना (राजस्थान)	3×100 मे.वा.जी.टी. + 1×130 मे.वा.एस.टी.
(ii) औरैया संयुक्त साइकल गैस आधारित विद्युत परियोजना (उत्तर प्रदेश)	4×100 मे.वा.एस.टी. + 2×100 मे.वा.एस.टी
(iii) कवास संयुक्त साइकल गैस आधारित विद्युत परिजोना (गुजरात)	4×100 मे.वा.जी.टी. + 2×100 मे.व.एस.टी.

राजस्थान

(iv) रामगढ़ गैस टर्बाइन परियोजना	1×3 मेगावाट

त्रिपुरा

(v) बारामूरा गैस टर्बाइन	2×5 मेगावाट पहले से ही चालू
(vi) बारामूला गैस टर्बाइन परियोजना (उन.ई.सी. के प्रबंध में परियोजना (यूनिट—3)	1—5 मेगावाट
(vii) राखिया में गैस टर्बाइन परियोजना	2×5 मेगावाट

असम

(viii) लकवा गैस टर्बाइन यूनिट –4 (सोपान–I)	1×5 मेगावाट पहले से ही चालू
(ix) लकवा गैस टर्बाइन सोपान–दो परियोजना यूनिट 5 से 8	4×15 मेगावाट

महाराष्ट्र

(x) उरण गैस टर्बाइन	4×108 मेगावाट पहले से ही चालू